

**B.A. (Part II) Examination, 2008
ECONOMICS
Second Paper
(Public Finance and International Trade)**

Note : As above.

1. Explain briefly the following :

निम्नलिखित की संक्षेप में व्याख्या कीजिए :

- (i) 'Fisc' 'राजकोष' (ii) VAT वैट (iii) Balance of payments भुगतान-संतुलन (iv) Fiscal Deficit राजकोषीय घाटा (v) Unfunded Debt अकोषित ऋण (vi) Non-tax Receipts करेत्तर प्राप्तियाँ (vii) Trade Deficit व्यापार घाटा (viii) Land Revenue भू-राजस्व (ix) Tax Holiday कर-अवकाश (x) Defence Expenditure रक्षा व्यय।

UNIT I

2. "Public Finance is concerned with those aspects of economic policy which arise in the process of public budget." Examine this statement.

"लोक वित्त अर्थ-नीति के उन पहलुओं से सम्बन्धित है जो सार्वजनिक बजट-प्रक्रिया में उदित होते हैं।" इस उक्ति की समीक्षा कीजिए।

3. Establish a relationship between ability-to-pay and progressive taxation. Can ability to pay be even consistent with regressive taxation?

करदेय योग्यता एवं प्रगतिशील करारोपण के मध्य सम्बन्ध स्थापित कीजिए। क्या करदेय योग्यता प्रतिगामी करारोपण से भी संगत हो सकती है ?

UNIT II

4. Examine 'Wagner's Law of Increasing State Activities' with special reference to developing countries.

'वेगनर के वृद्धिमान राजकीय क्रियाओं के नियम' का विकासशील

देशों के विशेष संदर्भ में परीक्षण कीजिए।

5. Discuss the role of public expenditure in increasing production and ensuring distributive justice.

उत्पादन बढ़ाने तथा वितरणात्मक न्याय को सुनिश्चित करने में लोक व्यय की भूमिका की विवेचना कीजिए।

UNIT III

6. What are the components of fiscal policy ? Suggest a suitable fiscal policy for developing economies.

राजकोषीय नीति के अवयव क्या हैं ? विकासशील अर्थव्यवस्थाओं हेतु एक समुपयुक्त राजकोषीय नीति सुझाइए।

7. Discuss the major tax reforms undertaken by the Government of India during recent years.

निकट भूत में भारत सरकार द्वारा किये गये मुख्य कर-सुधारों की विवेचना कीजिए।

UNIT IV

8. Discuss that international trade arises not because of absolute differences but because of comparative differences in international costs of production of commodities.

विवेचना कीजिए कि अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार वस्तुओं की अन्तर्राष्ट्रीय लागतों में निरपेक्ष अन्तर के कारण नहीं बल्कि तुलनात्मक अन्तर के कारण उदित होता है।

9. Critically examine infant industry argument for tariff protection and its applicability in India like developing countries.

संरक्षण हेतु शिशु उद्योग तर्क तथा भारत सरीखे विकासशील देशों में इसकी प्रयोज्यता का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

□□□